7 क्षेत्र कार्य

7.1 साक्षात्कार प्रपत्र तैयार करना

आपने जो व्यावसायिक समूहों की सूची बनाई है उसमें से निम्नलिखित मार्गनिर्देशों का प्रयोग करते हुए प्रत्येक समूह से, एक व्यक्ति अथवा परिवार का साक्षात्कार लें।

- साक्षात्कार लेने जाने से पहले प्रश्नावली तैयार करने के लिए अलग से समय निश्चित करें।
- जो आप ढूँढ़ना चाहते हैं उससे कार्य आरंभ करें। इसे एक वाक्य में लिखें। ध्यान में रहे कि किसी भी शोध परियोजना के आरंभ होने के पहले, चाहे यह पुस्तकालय में हो या क्षेत्र में, उद्देश्य का विवरण होता है जिसे कुछ वाक्यों में अभिव्यक्त किया जा सकता है। इस विवरण को सतर्कता से तैयार करना चाहिए क्योंकि इससे आप समुदाय के सदस्यों और अनुसंधान एवं संदर्भ पुस्तकालय अध्यक्ष, जो आपको प्रारंभिक तैयारी करने में सहायता करते हैं, से उसका परिचय करा सकते हैं। जब भी आप शोध केंद्र जाएँ अथवा साक्षात्कार करें, अपनी परियोजना के उद्देश्य की व्याख्या करने के लिए तैयार रहें।
- अब साक्षात्कार लेने के लिए लक्षित समूह का चयन करें। कितने लोगों से आप बात करेंगे और क्या उनके जवाब भिन्न-भिन्न होंगे? साक्षात्कार के लिए क्या आप लोगों का बेतरतीब चयन करेंगे अथवा आप उन्हें स्वयं चुनेंगे?
- एक बार आप इन मुद्दों का निर्णय कर लें, तब आप पूछे जाने वाले सभी संभावित प्रश्नों की सूची बनाना आरंभ कर सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न के सभी संभव उत्तरों को सोचने का प्रयास करें। क्या आपका प्रश्न सुस्पष्ट है? जो जानकारी आप ढूँढ़ रहे हैं क्या वह वास्तव में आपके अध्ययन के लिए प्रासंगिक है? क्या सभी प्रश्न सही क्रम में हैं? क्या उनका स्थानीय भाषा में अनुवाद किया जाना आवश्यक है?

अपने समूह के साथ अपने प्रश्नों की समीक्षा करें, और इस बात को सुनिश्चित कर लें, कि प्रत्येक के पास प्रश्नों का समान सैट हो।

बच्चे प्रलेखन के लिए शिल्प वस्तुओं के आरेख बनाते हुए

© NCERT not to be republished

अब आप इस पर ध्यान केंद्रित करें कि आप साक्षात्कार कैसे लेंगे। अपना साक्षात्कार आरंभ करने से पहले आपको साक्षात्कार देने वाले व्यक्ति के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने चाहिए। उन्हें अच्छी तरह से जानने के लिए, आपको उन्हें अपने समान समझना होगा।

- आपको सभी स्वीकार कर लें इसके लिए आपको व्यक्तिगत प्रयास करना होगा। उदाहरण के लिए, यदि आपको चाय दी जाए, तो आप मना मत कीजिए चाहे आप चाय पीना पसंद न करते हों। अपने बारे में, अपने परिवार, स्कूल/कॉलेज, अपनी रुचियों के बारे में बताएँ–ये सभी आपकी ईमानदारी और मैत्रीपूर्ण व्यवहार को दर्शाने में सहायता करेंगे।
- इसके अतिरिक्त, अपने पाठ्यक्रम की रूपरेखा और पाठ्यचर्या बताएँ और यह भी बताएँ कि आप उनका साक्षात्कार क्यों ले रहे हैं तथा आप एकत्रित सूचना का प्रयोग कैसे करेंगे।
- कक्षा में साक्षात्कारों और जवाबों को भूमिकाबद्ध करें। यह आपको अपनी प्रश्नावली को और बेहतर बनाने में मदद करेगा।
- देखें कि साक्षात्कार के लिए आप सही तरह से तैयार हुए हों। ध्यान रखें कि आप किसका साक्षात्कार ले रहे हैं। आपके कपड़े आरामदायक और अवसर के अनुकूल होने चाहिए।

समुदाय के लोगों को बताएँ कि आप कौन हैं और क्यों आए हैं, और अपनी बातचीत को यथासंभव अनौपचारिक और मैत्रीपूर्ण बनाए रखें। इस बात को ध्यान में रखें कि यह आपका प्रथम दौरा है और इस स्थिति में आप भी एक नौसिखिया हैं। धैर्य के साथ प्रश्नों का उत्तर दें। यह आपको विश्वसनीय बनाएगा और शिल्पी समुदाय के साथ सकारात्मक संबंध स्थापित करने में मदद करेगा। ध्यान रखें कि आप जिस शिल्पकार का साक्षात्कार ले रहे हैं–

- उसे जीवन का काफी अनुभव हो
- उसने समाज में सक्रिय भूमिका निभाई हो
- परिपक्व एवं बुद्धिमान हो
- विभिन्न कौशलों के साथ रचनात्मक अभिक्षमता रखता हो
- जटिल कार्यों को निपुणता के साथ करने वाला हो
- उसने क्रियाकलापों का आयोजन किया हो और उनकी योजना बनाई हो
- बुद्धिमत्तापूर्ण संप्रेषण का कौशल रखता हो
- ऊर्जा एवं उत्साह से भरा हो
- और संभवत: आपसे उम्र में बड़ा और बुद्धिमान हो

अन्य शब्दों में, अपने जीवन के सभी पहलुओं में वे औरों की तरह समर्थ हो।

निम्नलिखित नमूना प्रलेखन प्रपत्र के प्रयोग द्वारा अपना स्वयं का प्रपत्र निर्मित करें, ताकि यह आपके द्वारा चयनित अध्ययन-क्षेत्र और स्थान के लिए संगत हो।

एन.आई.डी. का नमूना प्रलेखन पत्र

(नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन, अहमदाबाद)

नाम :

कक्षा :

शिल्प प्रलेखन के उद्देश्य का विवरण :

उत्पादों का सूचना संग्रह

(i) शिल्प/उत्पाद का नाम :

अंग्रेजी/स्थानीय भाषा में :

अर्थ :

(ii) स्थान/भौगोलिक क्षेत्र :

राज्य/जिला/शहर/कस्बा/गाँव/पर्वत/रेगिस्तान/तटीय क्षेत्र/समतल/जंगल

(iii) बनाए गए उत्पादों के प्रकार (टाइपोलॉजी) :

घरेलू उत्पाद/संगीत वाद्ययंत्र/सज्जा उत्पाद/मुखौटे/रंगमंच के सहायक उपकरण/समारोह एवं रीतिरिवाजों के लिए उत्पाद/खिलौने और खेल सामग्री/लोक कला/चित्रकारी/निर्माण शिल्प/जूते चप्पल (फुटवियर)/अन्य

उत्पाद वर्णन

(i) विशिष्ट उत्पाद वर्णन/शिल्प शब्द भंडार :

- *आकार, आयाम, बनावट, रूप, मोटिफ और पैटर्न (सूक्ष्म जानकारी)*
- *रंग, शिल्पकारी, डिज़ाइन, रूप का संकेतन*

(ii) उत्पाद का कार्य एवं प्रयोग/प्रयोग का अवसर

(iii) प्रयोग की गई सामग्री

(iv) प्रयोग की गई प्रक्रियाएँ और तकनीकें (शिल्पकार के उद्धरणीय कथनों को लिखें)

(v) उत्पाद श्रेणी :

पारंपरिक और नवीन शिल्प का इतिहास एवं उद्गम :

(vi) पारंपरिक डिज़ाइन :

(vii) समय के अनुसार आए डिज़ाइन में (डिज़ाइन संग्रह) नई श्रेणी :

(viii) रूप/तकनीक/सामग्री में नवाचार :

(ix) उत्पाद की लागत :

(x) आजीविका के रूप में शिल्प का अध्ययन :

सामाजिक-आर्थिक पहलू, निर्माता एवं उपभेक्ता के मध्य संबंध, निर्माता, संरक्षक अथवा बाज़ार, निर्माता से बाज़ार तक की शृंखला, कच्चे माल के स्रोत, संबंधित कौशल :

(xi) विपणन :

- *(स्थानीय बाज़ार/क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)*
- खुदरा बिक्री/थोक बिक्री

© NCERT not to be republished

- प्रत्यक्ष विपणन (*हाट/मेला/निर्यात*)
- अप्रत्यक्ष विपणन (*प्रमुख ग्राहक/खरीदार*)

(xii) उत्पादन की मात्रा :

प्रक्रिया एवं तकनीक

(i) निर्माण प्रक्रिया :
(ii) परिष्करण (फिनिशिंग) :
(iii) प्रयोग किए गए उपकरण/सामाग्री और उनका महत्व :
(iv) प्रयोग किया गया कच्चा माल :
(v) प्रत्येक प्रक्रिया हेतु लिया गया समय :
(vi) श्रम लागत :

शिल्पकार के संबंध में जानकारी

व्यक्तिगत जानकारी

(i) नाम :
(ii) उम्र :
(iii) परिवार :
(iv) मातृ भाषा :
(v) शैक्षिक पृष्ठभूमि :
(vi) अनुभव/खानदानी कौशल :
(vii) आकांक्षाएँ :
(viii) उसके अनुसार शिल्प की परिभाषा (उद्धरण लिखें) :

सामाजिक आर्थिक जानकारी

(ix) वेशभूषा :
(x) भोजन :
(xi) परिवार में सदस्य :
(xii) समुदाय :
(xiii) धर्म :
(xiv) आय : *व्यक्तिगत/संयुक्त/मुख्य/गौण*
(xv) व्यक्तिगत परिसंपत्तियाँ : भूमि/घर/संपत्ति/मवेशी
(xvi) व्यवसाय का व्यस्त और शिथिल मौसम
(xvii) रोजगार : *स्व रोजगार/कर्मचारी/सहकारिता का सदस्य/संघ का सदस्य/प्रमुख ग्राहक*
(xviii) किसी भी समूह की सदस्यता :
(xix) शिल्प संबंधी अधिगम पहलू :
(xx) कौशल संचारण, आकांक्षा और विश्व के संबंध में राय :
(xxi) शिल्पकार के अपने सहयोगियों/समुदाय के साथ संबंध :
(xxii) कार्य में नवाचार एवं रचनात्मक अभिव्यक्तियों के अन्य उदाहरण :

© NCERT not to be republished

पर्यावरण संबंधी पहलू

(i) शिल्पकार का घर, कार्य करने का स्थान :

(ii) गाँव/कस्बा/शहर का संक्षिप्त विवरण, कोई पहचान चिह्न : कला, वास्तुकला अथवा ऐतिहासिक बाज़ार :

(iii) मूलभूत सुविधाएँ : *संप्रेषण सुविधाएँ, उद्योग, सड़कें, परिवहन इत्यादि*

(iv) शिल्प, प्रांत और जैव विविधता :

(v) पर्यावरण अनुकूल पद्धतियों के प्रति जागरूकता :

(vi) सामग्री/वस्तुओं का पुन:चक्रण :

सांस्कृतिक पहलू

(i) त्योहार जो मनाए जाते हैं :

(ii) शिल्प/सामग्री से संबंधित त्योहार :

(iii) शिल्प के उद्‌गम से संबंधित पौराणिक/दंत कथाएँ

(iv) शिल्प से संबंधित गीत

(v) वे शिल्प जो कला का भी प्रतिनिधित्व करते हैं

प्रौद्योगिकी

(i) विनिर्माण प्रक्रिया की परिभाषा :

(ii) किए गए अन्य परिवर्तन/संशोधन :

(iii) प्रयोग किए गए ऊर्जा स्रोत :

कौशल

(i) दक्षता :

(ii) पुरस्कार/मान्यता उदाहरण सहित :

(iii) प्राप्त प्रशिक्षण/कार्यशालाएँ जिनमें भाग लिया :

(iv) शिल्पकार की गुणवत्ता की संकल्पना :

परिवर्तन की प्रकृति

(i) नए मोटिफ, रंग, सामग्री और खाका :

(ii) शिल्पकार परिवर्तन, बाज़ार बलों, प्रतिस्पर्धा, नवाचार मूल्यों में परिवर्तित समृद्धि के प्रति कैसे प्रतिक्रिया करता है?

(iii) उसके वातावरण, व्यवसाय, सोच के वे कारक जिन्होंने परिवर्तन में योगदान दिया? (*सामग्री, बनावट, रूप, रंग*)

(iv) वे मुद्दे जो राज्य/प्रांत में शिल्प क्षेत्र के विकास को प्रभावित करते हैं (*सामाजिक, पर्यावरणीय अथवा सरकारी विधानों की जाँच और पहचान करें जो शिल्प की वृद्धि और निर्वाह्य विकास को प्रभावित कर रहे हैं*)।

(v) सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों का हस्तक्षेप और परिणामी मुद्दे :

(vi) शिल्प का भविष्य :

(vii) जाति/सामाजिक परंपरा/धर्म/लिंग संबंधी मुद्दे :

© NCERT not to be republished

7.2 सहमति पत्र

सुनिश्चित करें कि आपके और आपकी टीम के पास क्षेत्र दौरे पर जाने के लिए आपके अभिभावकों द्वारा हस्ताक्षरित सहमति पत्र हों।

- पत्र आपके अध्यापक अथवा प्राध्यापक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होना चाहिए।
- इसमें आपके क्षेत्र के दौरे का दिन, तिथि और समय का उल्लेख होना चाहिए।
- इसमें प्रयोजन का उल्लेख होना चाहिए ताकि आपके माता-पिता/अभिभावक को आपके कार्यक्रम की जानकारी हो।
- पत्र में यह भी लिखा हो कि आप घर कैसे लौटेंगे।

7.3 शिल्पकारों से भेंट सुनिश्चित करना

अधिकांश जिलों और कस्बों में डिज़ाइन केंद्र, बाज़ार, मेला या गलियाँ होती हैं जहाँ पर शिल्प समुदाय रहते हैं।

सबसे अच्छा है कि साक्षात्कार से पूर्व शिल्पकार से संपर्क करें। इसके लिए टीम प्रारंभिक संपर्क दौरा कर सकती है या संसाधन व्यक्ति के माध्यम से उससे मिल सकती है।

साक्षात्कार और प्रलेखन कार्यक्रम का उद्देश्य तथा इसमें लगने वाले समय के बारे में बताएँ।

दोनों की सुविधानुसार ऐसे समय और तिथि का चयन करें जो शिल्पकार के कार्य और बाज़ार दिवसों में हस्तक्षेप न करें।

7.4 क्षेत्र-अध्ययन हेतु आवश्यक वस्तुएँ

क्षेत्र कार्यकर्ताओं के लिए सामान्य सूची में निम्न वस्तुएँ हो सकती हैं। परियोजना के अनुसार सूची भिन्न हो सकती हैं —

1. नोटबुक, स्केचबुक, पेन और पेंसिल ताकि आप नोट ले सकें और उपयुक्त ड्राइंग बना सकें।
2. कैमरा, फिल्म अथवा डिजिटल कैमरा और आवश्यक सहायक सामग्री जैसे अलग-अलग लैंस, फ्लैश, लाइटिंग उपकरण और ट्राइपॉड।
3. ऑडियो या वीडियो रिकॉर्डर (बैटरी-चालित उपयोगी होते हैं), माइक्रोफोन, बहुत सारा नया टेप, डिस्क या साउंड-कार्ड्स, बैटरियाँ और एक्सटेंशन कॉर्ड

7.5 साक्षात्कार के बाद

साक्षात्कार के बाद जिन्होंने संबंधित व्यावसायिक/आर्थिक समूहों की जाँच की है, मोटे तौर पर एक समूह में हो जाएँ। फिर शेष कक्षा के समक्ष विभिन्न प्रस्तुतीकरण तकनीकों के माध्यम से अपनी सामग्री प्रस्तुत करें।

© NCERT not to be republished

प्रस्तुतीकरण में क्षेत्र-अध्ययन के दौरान एकत्र किए गए नमूने शामिल किए जाने चाहिए। चित्र और मानचित्र दिखाएँ। कक्षा के समक्ष अपनी कठिनाइयों, तथा विशेष अनुभवों को बांटें। आप निम्न में से किसी भी एक प्रकार से प्रस्तुतीकरण कर सकते हैं–

- कंप्यूटर पर पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण
- मूक अभिनय/रोल-प्ले (अपना साक्षात्कार करके दिखाएँ)
- चार्ट और दृश्य-श्रव्य
- समूह चर्चा

क्षेत्र-भ्रमण के दौरान प्रशिक्षण